ANNEXURE-A

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय

Central Sanskrit University

योजना एवं नियंत्रण परिषद्कीबैठक

(Meeting of Planning and Monitoring Board)

10 जनवरी, 2024	पूर्वाह्न : 10:00	Online/offline Mode

कार्यवृत

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की अधिसूचना सं 2708/2022-Extt./Planning & Monitoring/CSU/3220 दिनांक 15 सितम्बर 2022 के अनुपालन में दिनांक 10 जनवरी 2024 को योजना एवं नियन्त्रण परिषद् (Planning and Monitoring Board) की बैठक मुख्यालय में सम्पन्न हुई।

उपस्थित सदस्यों का विवरण

1. प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय — अध्यक्ष
2. प्रो. शशि प्रभा कुमार, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली — सदस्य
3. प्रो. सुदेश कुमार शर्मा, अधिष्ठाता, समकालिक ज्ञान प्रणाली मानविकी विद्यास्थान, जयपुर परिसर — सदस्य
4. प्रो. लीना सकरवाल, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्याल, जयपुर परिसर — सदस्य
5. प्रो. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्, निदेशक, रघुनाथ कीर्ति परिसर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय — सदस्य
6. प्रो. पवन कुमार, वित्ताधिकारी, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय — सदस्य
7. प्रो. रा.गा. मुरलीकृष्ण, कुलसचिव, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय — सदस्य सचिव

प्रो. विजय कुमार सी.जी. एवं प्रो. अमी यू. उपाध्याय अपरिहार्य कारणों से परिषद् की बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

योजना एवं नियन्त्रण परिषद् की बैठक मंगलाचरण के अनन्तर प्रारम्भ हुई। योजना एवं नियन्त्रण परिषद् के उपवेशन में कुलपति द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत किया गया तथा विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया।

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यसूची के प्रत्येक प्रस्ताव पर विचार विमर्श करते हुए अधोलिखित अनुशंसाएं प्रदान की गई–

प्रस्ताव – 01 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संकायव्यवस्था को विद्यास्थान एवं विभाग को विद्याशाखा व्यवस्था में पुनर्गठित करने के प्रस्ताव पर विचार।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में संकायव्यवस्था को विद्यास्थान व्यवस्था में तथा विभाग की व्यवस्था को विद्याशाखा व्यवस्था में पुनर्गठन पर हर्ष व्यक्त किया। साथ ही उपर्युक्त विवरण के आधार पर परिषद् ने अधोलिखित अनुशंसाएँ प्रदान की –

1. **(१) वेद वेदाङ्ग वैदिक विद्यास्थान** के अन्तर्गत ***व्याकरण विद्याशाखा*** एवं ***ज्योतिष विद्याशाखा*** को **शास्त्रीय ज्ञान प्रणाली विद्यास्थान** के अन्तर्गत स्थानान्तरित किया जा सकता है।
2. **(०४) शास्त्रीय ज्ञानप्रणाली विद्यास्थानम्** के अन्तर्गत कोषशास्त्र विद्याशाखा का आरम्भ किया जा सकता है।
3. **(०५) दर्शन विद्यास्थान** के अन्तर्गत **न्याय विद्याशाखा** का नाम **न्याय-वैशेषिक विद्याशाखा** किया जा सकता है।

प्रस्ताव - 02 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में विभिन्न विभागों के आरम्भ पर विचार।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में उक्त नवीन विभाग एवं केन्द्र को आरम्भ करने की अनुशंसा की। उपर्युक्त विद्याशाखाओं को विभिन्न विद्यास्थानों में अधोलिखित विवरण के अनुसार समायोजित करने की स्वीकृति प्रदान की –

1. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा =>**बहुविषयक विज्ञान तकनीक विद्यास्थान**
2. भारतीय विधिशास्त्र विद्याशाखा =>**समकालिक ज्ञानप्रणाली मानविकी विद्यास्थान**
3. कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र =>**शिक्षाशास्त्र कौशल प्रशिक्षण विद्यास्थान**
4. भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र =>**शास्त्रीय ज्ञानप्रणाली विद्यास्थान**

प्रस्ताव - 03 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में विभिन्न संचालित पाठ्यक्रमों पर विचार।

योजना एवं नियंत्रण परिषद् ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में अभिनव पाठ्यक्रमों के संचालन पर हर्ष व्यक्त किया एवं पाठ्यक्रमों को संचालित करने की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की।

प्रस्ताव - 04 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के आरम्भ पर विचार।

योजना एवं नियंत्रण परिषद् ने उक्त पाठ्यक्रमों पर गम्भीरता पूर्वक विचार एवं विमर्श किया। साथ ही इन पाठ्यक्रमों के संचालन से प्राप्त होने वाले परिणाम आदि पर विचार करते हुए पाठ्यक्रमों को संचालित करने की स्वीकृति प्रदान की। उक्त पाठ्यक्रम मुक्तस्वाध्यायपीठ एवं नियमित रूप से संचालित किए जाने का विवरण इस प्रकार है –

मुक्तस्वाध्यायपीठ के द्वारा संचालित -

1. Diploma in vaidic Mathmatics

नियमित माध्यम से संचालित पाठ्यक्रम -

1. Diploma in Ayurveda health care
2. Diploma in Event Management
3. Diploma in Yoga to Self-Management
4. Diploma in Team Building & Leadership

PG Diploma Programs

1. PG Diploma in Teaching Sanskrit through English Medium
2. PG Diploma in Theatre and Performing Arts
3. PG Diploma in Early Childhood Education and Care
4. PG Diploma in Computer Application

Bachelor's Programs

1. BCA
2. B.Lib.
3. LL.B.
4. BA in Sanskrit
5. B.A. in Civil Services
6. B.A. in Spiritual Travel and Tourism

Master Program

1. MA in Sanskrit

प्रस्ताव –05 **Skill Education & Professional Educationके अन्तर्गत कुछ पाठ्यक्रम संचालित करने का प्रस्ताव।**

योजना एवं नियंत्रण परिषद् ने Skill Education & Professional Education के अन्तर्गत अधोलिखित पाठ्यक्रमों पर गम्भीरता पूर्वक विचार एवं विमर्श किया। साथ ही इन पाठ्यक्रमों के संचालन से प्राप्त होने वाले परिणाम आदि पर विचार करते हुए पाठ्यक्रमों को संचालित करने की स्वीकृति प्रदान की। उक्त पाठ्यक्रम नियमित एवं मिश्रित (Hybrid) रूप से से संचालित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की।

Masters Programs - 4

1) Masters in Indian Knowledge Systems (MIKS)
2) Masters in Hindu Studies (MHDS)
3) Masters in Kautilya Politics and Economics (MKPE)
4) Masters in Vedic Literature (MVDL)

Certificate Programs - 10

1) Study of Vedas
2) Study of Upanishad
3) Study of Puranas
4) Study of Ancient Indian Architecture
5) Study of Ancient Indian Science & Technology
6) Human Values and Professional Ethics
7) Character and Personality Building
8) Study of Indian Culture and Traditions
9) Study of BharatiyaDarshana
10) Study of Ancient Indian Arts

प्रस्ताव –06 **केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में मुक्तस्वाध्यायपीठ की अभिकल्पसमिति की दिनांक 08.08.2023 को 13वीं बैठक का कार्यवृत अनुमोदन के संबंध में।**

योजना एवं नियंत्रण परिषद् ने मुक्तस्वाध्यायपीठ की अभिकल्पसमिति की 13वीं बैठक में दिनांक 08.08.2023 के कार्यवृत्त को अनुमोदित किया एवं मुक्त स्वाध्याय पीठ द्वारा संचालित किए जा रहे 45 पाठ्यक्रमों पर विचार एवं विमर्श किया। साथ ही इन पाठ्यक्रमों के संचालन से प्राप्त होने वाले परिणाम आदि पर विचार करते हुए पाठ्यक्रमों को संचालित करने की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की। साथ ही यह सुझाव दिया कि मुक्त स्वाध्याय पीठ स्ववित्तपोषित होने के लिए निरन्तर प्रयास करे। साथ ही संस्कृत अध्ययन हेतु अंग्रेजी एवं भारतीय भाषाओं में पाठ्य सामग्री तैयार करे एवं पाठ्यक्रम संचालित करे। योजना एवं नियन्त्रण परिषद् ने इस हेतु पूर्वकृत प्रयासों की सराहना की।

प्रस्ताव –07 **केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में विभिन्न विभागों एवं केन्द्रों हेतु नवीन पद सृजित करने के सम्बन्ध में प्रस्ताव**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में विभिन्न विभागों एवं केन्द्रों हेतु नवीन पद सृजित करने के सन्दर्भ में विभाग एवं केन्द्र के विवरण के साथ पदों का विवरण एवं वित्तीय आकलन को योजना एवं नियन्त्रण परिषद् ने स्वीकृति प्रदान की।

परिषद् ने उक्त प्रस्ताव में भविष्य की दृष्टि एवं डिजिटल अध्ययन प्रणाली को दृष्टिगत रखते हुए UDC एवं LDC पद के स्थान पर सहायक/तकनीकी सहायक के पद सृजित करने की अनुशंसा की। उक्त प्रस्ताव में यह आंशिक संशोधन करते हुए स्वीकृति प्रदान की।

Sr.No.	Department/	Prof.	Asso.Prof.	Asst. Prof.	Technical Assistant	Assistant	MTS
1	Department of Computer Science & Natural Language Processing	1	2	4	1	1	1
2	Department of Indian Jurisprudence	1	2	4	1	1	1
3	Department of Library and Information Science	1	2	4	1	1	1
4	Department of Manuscriptology and Paleography	1	2	4	1	1	1
5	Department of Yogic Sciences & Spirituality	1	2	4	1	1	1
Total		**5**	**10**	**20**	**5**	**5**	**5**

Sr .No.	Centre	Prof.	Asso.Prof.	Asst. Prof.	Technical Assistant	Assistant	MTS
1	Centre for Indian Knowledge System	1	0	4	1	1	1
2	Centre for Hindu Studies	1	0	4	1	1	1
3	Centre for Natyashastra Studies	1	0	4	1	1	1
4	Centre for Skill Development & Training	1	0	4	1	1	1
Total		**4**	**0**	**16**	**4**	**4**	**4**

प्रस्ताव –08 डेक्कन कालेज पूना के केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का केन्द्र बनाने के सम्बन्ध में प्रस्ताव

योजना एवं नियन्त्रण परिषद् ने डेक्कन कालेज पूना में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की शब्दकोश परियोजना के अन्तर्गत 62 विषयों पर पाठ्यांश, पाठ्यसामग्री, स्वयम् (**SWAYAM-MOOC**) आदि का निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान की तथा इसे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का एक केन्द्र बनाने की अनुशंसा की। इस हेतु प्राप्त विवरण के अनुसार पद सृजन की व्यवस्था का प्रावधान को स्वीकृति प्रदान करने की अनुशंसा की।

Sl. No.	A. Sanctioned Academic Posts with equivalent grades	Actual Strength	In case of Sanctioning of strength for engagement	equivalent Level
1	Editors (Sr. Professor Grade)	03	2	14
3	Asstt. Editor (Associate Professor)	13	4	13A
4	Sub Editors (Assistant Professor)	05	12	10
5	Editorial Assistants (Research Assistant)	04	4	06
	Total	**26**	**22**	

B. Sanctioned Administrative Posts

1	Secretary	01	01	08
2	Accountant	01	01	06
3	Steno-Typist	01	01	04
5	Clerk-cum-Typist	01	01	02
6	Cashier-cum-Typist	01	01	04
9	Peons (MTS)	04	02	01
	Total	**12**	**07**	
	Grand Total of A & B	**38**	**27**	

प्रस्ताव –9 **केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रत्येक परिसर में एक उत्कृष्टता केन्द्र संचालित करने से सम्बन्धित प्रस्ताव**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रत्येक परिसर में एक विषय की दृष्टि से उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव पर परिषद् सर्व सम्मति से स्वीकृति प्रदान की तथा अधोलिखित केन्द्रों की आवश्यकता पर भी गम्भीरता पूर्वक विचार कर आरम्भ करने की स्वीकृति प्रदान की। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रत्येक परिसर में एक विषय की दृष्टि से उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में विकसित किया जाय। अधोलिखित केन्द्रों में पालि अनुसन्धान केन्द्र तथा प्राकृत अनुसन्धान केन्द्र को आदर्श योजना के अन्तर्गत शोध संस्थान के रूप मान्यता प्रदान की जा सकती है।

वर्तमान में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में अधोलिखित केन्द्र संचालित किए जा सकते हैं- –

1	नाट्यशास्त्र अध्ययन केन्द्र	भोपाल परिसर
2	धर्मसम्राट् स्वामिश्रीकरपात्री जी महराज वेद शास्त्र अनुसन्धान केन्द्र	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग
3	डा. सरोजिनी महिषी महिला अध्ययन केन्द्र	वेदव्यास परिसर, बलाहर
4	प्राध्यापक विकास केन्द्र	जयपुर परिसर, गुरुवायूर परिसर त्रिश्शूर एवं एकलव्य परिसर अगरतला
5	हिन्दू अध्ययन केन्द्र	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
6	पालि अनुसन्धान केन्द्र	लखनऊ परिसर
7	प्राकृत अनुसन्धान केन्द्र	जयपुर परिसर
8	कला कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र	गुरुवायूर परिसर, त्रिश्शूर
9	भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज
10	भारतीय दर्शन अनुशीलन केन्द्र	राजीव गाँधी परिसर, शृङ्गेरी
11	अन्ताराष्ट्रिय योग केन्द्र	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग
12	कश्मीरशैवदर्शन एवं सप्तसिन्धु संस्कृति अध्ययन केन्द्र	रणवीर परिसर, जम्मू
13	जनजातीय विकास अध्ययन केन्द्र	एकलव्य परिसर, अगरतला

प्रस्ताव –10 **केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग को कम्पनी एक्ट सेक्शन 8 के अन्तर्गत पंजीकरण करने से सम्बन्धित प्रस्ताव**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का प्रकाशन विभाग सम्पूण देश में अग्रगण्य है। वर्तमान में लगभग 422 शीर्षक प्रकाशित हो चुके हैं। इस शृंखला को आगे बढ़ाते हुए इसे अन्ताराष्ट्रिय स्तर पर स्थापित करने हेतु केन्द्रीय सस्कृत विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग को कम्पनी एक्ट सेक्शन 8 के अन्तर्गत पंजीकृत कराने के सन्दर्भ में योजना एवं नियन्त्रण परिषद् ने उक्त प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया। अद्यावधि संस्कृत की दृष्टि से सार्वजनिक एवं विश्वविद्यालयीय संस्थान/प्राधिकरण नहीं है जो प्रकाशन की नीतियाँ एवं मानक तैयार करते हुए राष्ट्रिय स्तर पर पुस्तके प्रकाशित करे। अतः उक्त प्रस्ताव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

कम्पनी निदेशक (Company Directors)	कंपनी प्रबन्धन -
a. कुलपति	अध्यक्ष : कुलपति
b. प्रबन्ध निदेशक	उपाध्यक्ष : कुलपति द्वारा नियुक्त
c. अधिष्ठाता (शै.मा.)	प्रबंध निदेशक : कुलपति द्वारा नियुक्त
d. वित्ताधिकारी	संयुक्त निदेशक: : 2 (शैक्षणिक/प्रशासन)
e. कुलसचिव	उप निदेशक : लेखा एवं बिक्री
	संपादक : प्रत्येक शृंखला के लिए
	परियोजना समन्वयक: परियोजनाओं के लिए अनुसंधान सहयोगी

प्रस्ताव –11 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित भारत के लिए संस्कृत की अवधारणा विषयक प्रस्ताव

भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित भारत की संकल्पना को संवर्द्धन एव परिवर्द्धन हेतु अधोलिखित प्रस्ताव एवं योजनाओं के कार्यान्वयन के प्रस्ताव को योजना एवं नियन्त्रण परिषद् ने सर्व सम्मति से स्वीकृति प्रदान की तथा अधोलिखित सुझाव प्रदान किए –

1. ***विकसित भारत के लिए संस्कृत* का लोकप्रिय प्रकाशन** के लिए एक ***काफी टेबल* बुक** निर्माण किया जाय।
2. Manuscript-To-ManEscript मिशन के लिए विशेष ड्राइव बनाई जाय।
3. संस्कृत, दर्शन, भाषा विज्ञान, विज्ञान और प्रबंधन, अर्थशास्त्र, सामाजिक विज्ञान आदि से जुड़े सहयोगात्मक संवादों को बढ़ावा देते हुए बहु-विषयक भारतीय ज्ञान प्रणाली हेतु संसाधन तैयार करना तथा समाज को उपलब्ध कराया जाय
4. सभी राज्यों में स्थापित उच्च संस्थानों के साथ "संस्कृत अध्ययन: भविष्य के परिप्रेक्ष्य योजनाएं" पर सम्मेलन आयोजित अयोजित किए जाएँ।
5. **पांच क्षेत्रों पर विशेष दृष्टि**

   पांच क्षेत्रों में विशेष दृष्टि को सम्यग रूप से परिपालन/संचालन हेतु अधोलिखित परिसरों को दायित्व दिया जाय –

   a. संस्कृत समाज को कुशल बनाना - जयपुरपरिसर, एकलव्य परिसर, गुरुवायूर परिसर
   b. संस्कृत वाङ्मय का डिजिटलीकरण - गंगानाथ झा परिसर
   c. भारतीय ज्ञान परम्परा को संस्कृत से जोड़ना - गंगानाथ झा परिसर
   d. संस्कृत अध्ययन का वैश्वीकरण; - IQAC
   e. संस्कृत संस्थानों प्रणालीबद्ध परिवर्तन। - अन्ताराष्ट्रिय मामले (मुख्यालय)

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्ताव –

प्रस्ताव –12 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के मुख्यालय को परिसर के मानक के रूप में स्थापित करने से सम्बन्धित प्रस्ताव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के मुख्यालय को परिसर के मानक के रूप में स्थापित करने से सम्बन्धित प्रस्ताव को योजना एवं नियन्त्रण परिषद ने सर्व सम्मति से स्वीकृति प्रदान की। मुख्यालय की शैक्षणिक गतिविधि के सुचारु संचालन हेतु इसे एक परिसर के रूप में व्यवस्थित करने हेतु इसके निदेशक के रूप में अधिष्ठाता (शै.मा.) अथवा कुलपति किसी अन्य आचार्य को नियुक्त करने हेतु अधिकृत किए जाने की अनुशंसा की।

अध्यक्ष महोदय एवं अन्य सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए शान्ति मन्त्र के साथ समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

10/1/2024

(प्रो. रा.गा. मुरलीकृष्ण)
सदस्य सचिव

(प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी)
अध्यक्ष